Ans. (a) : डोरिया साड़ी या कोटा डोरिया जिसे कोटा डोरी भी कहा जाता है। यह एक विशिष्ट बुना हुआ कपड़ा है। जिसमें महीन रेशम एवं कपास दो रेशों के मिश्रण पर एक अद्वितीय चेक पैटर्न तैयार किया गया है। सांगानेरी एक हैंड-ब्लॉक प्रिटिंग तकनीकी है। जिसकी उत्पत्ति सांगानेर से हुई हैं। आज यह गतिविधि हड़ौती क्षेत्र (राजस्थान के बूंदी,कोटा और बारां जिलों) के बुनकरों द्वारा तैयार की जाती है। कोटा अब कोटा डोरिया साड़ी या कभी-कभी मसूरिया साड़ी के नाम से प्रसिद्ध है।

200. राजस्थानी वास्तुकला का जनक किसे माना जाता है?

(a) रायसिंह (b) मानसिंह
(c) महाराजा विजयसिंह (d) राणा कुंभा

कनिष्ठ अभियंता (सिविल)-2020
JEN (Civil) Degree 2020 Date 12.09.2021

Ans. (d) : राजस्थानी वास्तुकला का जनक राणा कुम्भा को माना जाता है। राजस्थान की वास्तुकला मुगल और हिंदू संरचनात्मक शैलियों को मिलाकर राजपूत वास्तुकला स्कूल से काफी प्रभावित रही है। राजस्थान की वास्तुकला की विशेषताओं में भव्य हवेलियाँ, अद्भुत किले और जटिल नक्काशीदार मंदिर शामिल है।

201. हवेली चित्रकला किस शताब्दी की देन है?

(a) 17वीं शताब्दी (b) 20वीं शताब्दी
(c) 18वीं शताब्दी (d) 19वीं शताब्दी

Basic Computer Anudeshak-18.06.2022

Ans. (d) : हवेली चित्रकला की शुरूआत 19वीं शताब्दी से हुई थी। हवेली चित्रकला शेखावटी क्षेत्र की विशेषता है, इसमें हवेलियों की दीवारें विस्तृत रूप से चित्रों से ढकी रहती है। राजस्थानी चित्रकला का प्रथम चित्रकार 'शृगंधर' नामक चित्रकार को माना जाता है जिसका उल्लेख तिब्बती इतिहासकार तारानाथ की रचना में मिलता है। राजस्थान में चित्रकला का आरम्भ मेवाड़ के महाराणा कुम्भा के काल से हुआ, इसलिए मेवाड़ को ''राजस्थान की चित्रकला की जन्मभूमि'' माना जाता है।

202. कृपाल सिंह शेखावत एवं दुर्गासिंह किस क्षेत्र से सम्बद्ध रहे?

(a) उस्ता कला, मीनाकारी (b) ब्लू पॉटरी, मीनाकारी
(c) ब्लू पॉटरी, थेवा कला (d) मीनाकारी, मूर्तिकला

सहायक अग्निशमन अधिकारी (एएफओ) -2021

Ans. (b) – कृपाल सिंह शेखावत एवं दुर्गासिंह क्रमशः ब्लू पॉटरी एवं मीनाकारी जैसी कलात्मकता से सम्बन्धित है। मीनाकारी में धातुओं (जैसे-सोना, चांदी, तांबा) पर कांच के क्रिस्टलों की नक्कासी की जाती है।

203. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

(a) मीनाकारी-जयपुर (b) अजरख प्रिंट-सांगानेर
(c) टेराकोटा शिल्प -मोलेला (d) थेवा कला-प्रतापगढ़

पटवार-2020 (23 अक्टूबर, 2021)

Ans. (b) – रंगाई-छपाई कला राजस्थान की प्रसिद्ध हस्तकलाओं में से एक है। अजरख प्रिंट का संबंध बाड़मेर से है। इस प्रिंट को खत्री जाति द्वारा किया जाता है। इसमें लाल और नीले रंग का प्रयोग होता है। सांगानेर (जयपुर) सांगानेरी प्रिंट के लिए प्रसिद्ध है। अन्य सभी विकल्प सुमेलित हैं।

204. राजस्थान का कौन-सा जिला अजरख प्रिंट के लिए प्रसिद्ध है?

(a) बीकानेर (b) जैसलमेर
(c) भरतपुर (d) बाड़मेर

पशुधन सहायक भर्ती परीक्षा-2018
उद्योग प्रसार अधिकारी-2018
कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (d) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

205. मंदिर स्थापत्य की 'भूमिज शैली' किस स्थापत्य शैली की उपशैली है-

(a) बेसर शैली (b) द्रविड़ शैली
(c) नागर शैली (d) इण्डो-पर्शियन शैली

Patwar-Exam-2016 (Main) -24.12.2016

Ans. (c) – 'भूमिज शैली' मंदिर निर्माण की नागर शैली की एक उपशैली है। राजस्थान में भूमिज शैली का प्राचीनतम मन्दिर पाली जिले के सेवाड़ी का जैन मन्दिर है।

206. चित्रकला के संदर्भ में निम्न में से कौन सा विकल्प सही <u>नहीं</u> है?

(a) सालिगराम, बकसाराम, नंदाराम अलवर शैली के कलाकार है।
(b) आलीगीला पद्धति का सर्वप्रथम प्रारंभ आमेर में हुआ।
(c) रघुनाथ, डालू, गोविंदराम कोटा शैली के चित्रकार है।
(d) 'चोखेलाव महल' का संबंध बीकानेर शैली से है।

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)-2020

Ans. (d) – 'चोखेलाल महल' का संबंध मारवाड़ शैली से है। इस शैली का श्रेय 'राव मालदेव' को दिया जाता है। मालदेव से पूर्व मारवाड़ की चित्रकला शैली पर मेवाड़ का पूर्ण प्रभाव पड़ा था। इस शैली का मुख्य उद्देश्य प्राचीन पौराणिक गाथाओं का यशोगान करना था।

207. राजस्थान की कौनसी जगह दाबू प्रिंट के लिए प्रसिद्ध है?

(a) आकोला (b) सांगानेर
(c) खण्डेला (d) नाडोल

कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (a) – राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले का आकोला गाँव दाबू प्रिंट के लिए प्रसिद्ध है।

208. निम्नलिखित उत्पादों में से कौन सा, परदे बनाने में काम आता है?

(a) आँवला (b) खस
(c) तेन्दू (d) झावुई

कनिष्क अभियन्ता (यांत्रिक) 13.12.2020, Code-80

Ans. (b) – खस (Vetiver) एक प्रकार की झाड़ीनुमा घास है। राजस्थान के सवाई माधोपुर, भरतपुर एवं टोंक जिलों में खस का उत्पादन किया जाता है। यह केरल, तमिलनाडु व दक्षिण भारतीय प्रांतों में भी उगायी जाती है। इस घास का प्रयोग पर्दे, चटाई इत्यादि बनाने में किया जाता है।

209. 'भरत', 'सूफ' 'हुरम जी', 'आरी' किससे संबंधित है-

(a) पीतल नक्काशी (b) गलीचा व दरी उद्योग
(c) ब्लू पॉटरी (d) कढ़ाई व पेचवर्क

JEN Mechanical Diploma 21.8.2016